

परिशिष्ट सारणी 2: वास्तविक सकल देशी उत्पाद की वृद्धि दरें और क्षेत्रीय संरचना आपूर्ति और व्यय
(2004-05 मूल्यों पर)

(प्रतिशत)

क्षेत्र	वृद्धि दर					वास्तविक जीडीपी में हिस्सा			
	औसत 2009-10 से 2013-14	2010-11	2011-12	2012-13*	2013-14#	2010-11	2011-12	2012-13*	2013-14#
1	2	3	4	5	6	7	8	11	12
सकल देशी उत्पाद की आपूर्ति का हिस्सा									
1. कृषि, वानिकी और मत्स्यपालन	4.1	8.6	5.0	1.4	4.7	14.6	14.4	13.9	13.9
जिसमें से :									
कृषि	4.1*	9.5	5.3	0.9	..	12.4	12.3	11.8	..
2. उद्योग	5.2	8.3	6.7	0.9	-0.1	20.3	20.3	19.6	18.7
जिसमें से :									
क) खनन और उत्खनन	1.8	6.5	0.1	-2.2	-1.4	2.2	2.1	2.0	1.9
ख) विनिर्माण	5.6	8.9	7.4	1.1	-0.7	16.2	16.3	15.8	14.9
ग) बिजली, गैस और पानी की आपूर्ति	5.6	5.3	8.4	2.3	5.9	1.9	1.9	1.9	1.9
3. सेवाएं	7.7	9.2	7.1	6.2	6.2	65.1	65.3	66.4	67.4
जिसमें से :									
क) निर्माण	5.2	5.7	10.8	1.1	1.6	7.6	7.9	7.7	7.4
ख) व्यापार, होटल, परिवहन और संचार	7.0	12.2	4.3	5.1	3.0	27.3	26.7	26.9	26.4
ग) वित्तीय सहायता, बीमा, स्थावर संपदा और कारोबारी सेवाएं	11.0	10.0	11.3	10.9	12.9	17.3	18.0	19.1	20.6
घ) सामुदायिक, सामाजिक और व्यक्तिगत सेवाएं	6.3	4.2	4.9	5.3	5.6	12.9	12.7	12.8	12.9
4. कारक लागत पर सकल देशी उत्पाद	6.7	8.9	6.7	4.5	4.7	100.0	100.0	100.0	100.0
सकल देशी उत्पाद के व्यय का हिस्सा									
1. निजी अंतिम खपत व्यय	7.0	8.7	9.3	5.0	4.8	58.5	60.0	60.1	60.0
2. सरकारी अंतिम खपत व्यय	7.3	5.8	6.9	6.2	3.8	11.0	11.1	11.2	11.1
3. सकल नियत पूंजी निर्माण	6.3	11.0	12.3	0.8	-0.1	33.5	35.3	33.9	32.3
4. स्टॉक में परिवर्तन	12.3	44.7	-43.4	-9.0	1.6	3.9	2.1	1.8	1.7
5. मूल्यवान वस्तुएं	20.2	32.4	6.6	35.8	-31.6	2.4	2.4	3.1	2.0
6. निवल निर्यात	-5.8	-3.7	-39.9	-11.0	32.1	-6.6	-8.6	-9.1	-5.9
क) निर्यात	8.8	19.6	15.6	5.0	8.4	22.6	24.5	24.6	25.4
ख) कम आयात	7.7	15.6	21.1	6.6	-2.5	29.2	33.1	33.7	31.3
7. विसंगतियाँ	52.2	43.7	-18.9	-50.2	28.1	-2.8	-2.1	-1.0	-1.2
8. बाजार मूल्य पर सकल देशी उत्पाद	7.0	10.3	6.6	4.7	5.0	100.0	100.0	100.0	100.0

*: पहला संशोधित अनुमान; # अनंतिम अनुमान; .. उपलब्ध नहीं

@: वर्ष 2013-14 के लिए 'कृषि' के उप क्षेत्र के लिए संपूर्ण आंकड़े सीएसओ द्वारा प्रकाशित किये जाने हैं, अतः यह 2009-10 से 2012-13 से संबंधित औसत होगा।

§: भारतीय राष्ट्रीय लेखा में मूल्यवान वस्तुओं (स्वर्ण, जवाहरात और आभूषण सहित) को पृथक श्रेणी माना जाता है (अर्थात् अचल पूंजी निर्माण और स्टॉक में परिवर्तन से इतर)। यह राष्ट्र संघ की राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (एसएनए), 1993 और 2008 के अनुरूप हैं।

स्रोत: केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय।